# जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

अक्टूबर-दिसम्बर 2017 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष-02 अंक - 05


इस अंक में


- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
  - बीज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक
  - 54 वाँ स्थापना दिवस
  - जोनल वर्कशॉप
  - प्रशिक्षण
  - फार्म टेली एडवाइजर हेतु प्रशिक्षण
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ
- अवार्ड/सम्मान



संरक्षक

प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन

कुलपति

ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक

डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल

डॉ. टी.आर. शर्मा

डॉ. संजय वैशंपायन

डॉ. अनय रावत

डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता


## निदेशक की कलम से

परम्परागत कृषि पद्धति में खेती हेतु प्रयुक्त किए जा रहे रसायनों के कारण वायु तथा भूमि प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुँच गए हैं। यही नहीं इनके प्रयोग से उत्पादित होने वाले अनाज, सब्जियों तथा फलों में भी विभिन्न रसायनों के अवशेष प्रचुर मात्रा में रहते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए 'धीमा जहर' साबित हो रहे हैं। जैविक पद्धति अपनाकर इस प्रकार के धीमे जहर से छुटकारा मिलेगा तथा इनके फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली बीमारियों से भी रक्षा होगी। जैविक खेती को प्राकृतिक खेती, कार्बनिक खेती या रसायन विहीन खेती आदि नामों से भी जाना जाता है। इसका उद्देश्य भूमि से इस प्रकार से फसल उगाना है कि मृदा, जल एवं वायु को प्रदूषित किए बगैर दीर्घकालीन एवं स्थिर उत्पादन लिया जा सके। जैविक खेती एक परिपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया है जिससे जैव विविधता एवं जैविक क्रियाओं को बढ़ावा मिलता है। यह जलवायु को स्वस्थ बनाने के साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले भोजन के उत्पादन में सहायक है। जैविक खेती कृषि की वह पद्धति है जिसमें स्वच्छ प्राकृतिक संतुलन को देखते हुए मृदा, जल एवं वायु को प्रदूषित किए बिना दीर्घकालीन व स्थिर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

**डॉ. पी.के. बिसेन**

संचालक विस्तार सेवायें

## विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

### बीज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक:

दिनांक 18 दिसम्बर 2017 को संचालनालय में बीज उत्पादन की विभिन्न परियोजनाओं की एक समीक्षा बैठक भारत सरकार के दलहन विकास निदेशालय के निदेशक डॉ. ए.के. तिवारी की अध्यक्षता में एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गयी। बैठक में संचालक प्रक्षेत्र, डॉ शरद तिवारी, डॉ. अनीता बब्बर, डॉ. आर.एस. शुक्ला, डॉ. एस.आर.के. सिंह, डॉ. संजय वैशंपायन, श्री पी.के. सिंह एवं विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से दलहनी फसलों को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना 'सीड हब' पर विशेष चर्चा की गयी साथ ही दलहन एवं तिलहन के संकुल प्रदर्शन एवं विश्वविद्यालय की ब्रीडर सीड उत्पादन की समीक्षा की गयी।

### 54 वाँ स्थापना दिवस:

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में पूर्ण गरियामयी और उल्लासमय वातावरण में 54 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर मुख्य अतिथि मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, म.प्र. शासन श्री गौरीशंकर बिसेन ने कृषि ज्ञान वाणी प्रसार केन्द्र एवं कृषि प्रबंधन विभाग के नवीन भवनों का लोकार्पण तथा कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान धान एवं सोयाबीन की फसलों पर हो रहे अनुसंधान कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने प्रदेश में जैविक महाविद्यालय खोलने पर बल दिया। श्री बिसेन ने कृषि साहित्य का विमोचन एवं प्रगतिशील कृषक सर्वश्री अश्वनी सिंह चौहान उज्जैन, आकाश चौरसिया, सागर एवं चैनसिंह बैस, बालाघाट को वर्ष के कृषक फैलो अवार्ड के साथ ही 10 हजार का चैक प्रदान किया तथा जवाहरलाल नेहरू कृषि

विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ता एवं सेवानिवृत्त कृषि वैज्ञानिक डॉ. अविनाश खत्री को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा ने अभिनंदन पत्र का वाचन एवं परिचय दिया।

**जोनल वर्कशॉप :**

दिनांक 24-26 नवम्बर, 2017 में 24वीं जोनल वर्कशॉप का आयोजन बुरहानपुर में किया गया । जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा के 100 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने भागीदारी की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमति अर्चना चिटनिस, मंत्री, महिला बाल विकास, अध्यक्षता डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, महानिदेशक, भा.कृ.अ.परि., नई दिल्ली ने की। इस अवसर पर डी.डी.जी. डॉ. ए.के. सिंह, ए.डी.जी. डॉ. चहल उपस्थित थे। वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने हेतु रणनीति पर चर्चा की गई। विस्तार संचालनालय की ओर से वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशंपायन ने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अधिनस्थ 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया ।

**प्रशिक्षण :**

संचालनालय विस्तार सेवायें द्वारा आयोजित 6 प्रशिक्षणों में विभिन्न जिलों व राज्यों से पधारे 173 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

**फार्म टेली एडवाइजर हेतु प्रशिक्षण :**

दिनांक 20-21 जून, 2017 को मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के किसान काल सेंटर के फार्म टेली एडवाइजर के लिये खरीफ फसलों पर आधारित एक दिवसीय दो प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। जिसमें 32-32 लोगों ने भाग लिया ।

## कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

### कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

**खण्ड स्तरीय किसान मेले का आयोजन सम्पन्न :**

किसानों की कृषि आय को दुगना करने एवं कृषि में लागत को कम करने के उद्देश्य से देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुसार संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के अन्तर्गत विकासखण्ड बैहर एवं बिरसा में दिनांक 5 अक्टूबर 2017 तथा कटंगी में दिनांक 6 अक्टूबर 2017 को किसान मेले का आयोजन कृषि विभाग के द्वारा किया गया जिससे कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने उन्नत कृषि तकनीक की जानकारी कृषकों को प्रदान की तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ लागत कम करने के तरीके किसानों को बतायें। दोनों कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर जी बिसेन ने अपने उद्बोधन में कृषकों के हितार्थ सरकार के संकल्प की जानकारी दी एवं खेती में विविधता गौ पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, मछली पालन, रेशम उत्पादन, लाख उत्पादन, उद्यानिकी फसलो की खेती का बढ़ावा देने की राव किसानों से कही।

**बालाघाट की कृषक महिला दिल्ली में सम्मानित :**

राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव, बालाघाट द्वारा राष्ट्रीय कृषि महिला दिवस पर जिले के आदिवासी अंचल लामता से दो महिला कृषक श्रीमति इन्द्राणी वरकड़े एवं श्रीमति शकुन्तला क्षीरसागर एवं ग्रांव मिरेगांव से श्री पंकज बिसेन ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा तेजस्विनी परियोजना के साथ मिलकर महिला किसानों के लिये किये जा रहे कार्यों हेतु लामता की प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमति इन्द्राणी वरकड़े को श्री राधामोहन सिंह, कृषि मंत्री, भारत सरकार द्वारा शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमति अर्चना चिटनीस ने भी महिला के प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के अधिकारीगण एवं कृषि तकनीकी संस्थान, जबलपुर के निदेशक, डॉ. अनुपम मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ,जबलपुर के संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. पी.के. बिसेन ने महिला कृषक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव को इस हेतु बधाईयां दी है। ज्ञात हो कि केन्द्र, तेजस्विनी परियोजना, बालाघाट के साथ मिलकर विगत वर्षों से महिला कृषको हेतु स्वरोजगार एवं जैविक हल्दी, अदरक उत्पादन हेतु कार्य कर रहा है।

**कुलपति महोदय के स्वागत समारोह के अवसर पर किसान वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन :**

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के नवनियुक्त कुलपति, डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के प्रथम बालाघाट आगमन पर जिले में प्रवेश से कृषि महाविद्यालय, बालाघाट पहुँचने तक गॉव-गॉव में गर्मजोशी के साथ कृषकों द्वारा अभिनन्दन किया गया। आपके प्रथम आगमन पर कृषि विज्ञान केन्द्र एवं आत्मा समिति, बालाघाट द्वारा किसान वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन कृषि महाविद्यालय, मुरझड़ फार्म,

वारासिवनी, बालाघाट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति महोदय का जिले के सभी विभागों द्वारा अभिनंदन किया गया तथा मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में जिले के सर्वांगीण विकास में कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख भूमिका को प्रतिपादित किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डॉ. व्ही.बी. उपाध्याय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, डॉ. आर.एल. राऊत, उपसंचालक कृषि, श्री राजेश त्रिपाठी, उपसंचालक मत्स्य पालन, श्रीमति शशिप्रभा धुर्वे, सहायक संचालन उद्यान, श्री देशमुख, सहायक यंत्री, श्री चन्दनसिंह वरकड़े आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

### वन विभाग के रेंजर्स को एक दिवसीय प्रशिक्षण :

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल के वरिष्ठ वैज्ञानिक ,डॉ. विजय कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 15 नवम्बर 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षण हॉल में बैतूल, हरदा, होशंगाबाद वन विभाग रेंज के आए रेंजर्स को कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में केन्द्र के वैज्ञानिकों डॉ. आर.डी. बारपेटे ने वन वृक्षों के प्रमुख रोग एवं कीटों की जानकारी प्रदान की। डॉ. मेघा दुबे ने कृषि वानिकी के अंतर्गत आने वाली फसलों की जानकारी दी। वैज्ञानिक रिया ठाकुर ने वानिकी एवं उद्यानिकी में किस प्रकार सामन्जस्य बनाए बताया। डॉ. अनिल शिंदे ने जंगली जीवों से सुरक्षा एवं देखभाल के उपाय बताए। डॉ. संजय जैन ने जलवायु परिवर्तन एवं वानिकी के बारे में बताया। डॉ. संजीव वर्मा ने मृदाओं के प्रकार, पोषक तत्वों, जैविक वानिकी के बारे में विस्तारपूर्वक बताया एवं कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान बैतूल जिले के सी.सी.एफ., श्री मोहन मीणा उपस्थित थे।

### आंचलिक कार्यशाला के दौरान प्रदर्शनी का आयोजन :

केन्द्र प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 24-26 नवम्बर 2017 तक कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल के वैज्ञानिक डॉ. संजीव

वर्मा ने अटारी झोन 9 द्वारा आयोजित 24 वीं आंचलिक कार्यशाला में भाग लिया एवं इस कार्यशाला के दौरान दिनांक 24, 25 एवं 26 नवम्बर को कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल में प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसमें जिले की प्रमुख फसलों की उन्नत किस्में एवं गुड़, स्थानीय शेम एवं शेम दाल प्रमुखता से प्रदर्शित किए। फसल विवधीकरण के अंतर्गत मक्का, कुसुम, अलसी, सरसों आदि की उन्नत किस्मों को प्रधानता दी। प्रदर्शनी का अवलोकन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री, श्रीमति अर्चना चिटनीस एवं राजमाता विजयाराजे सिंधियॉ के कुलपति, डॉ. एस.के. रॉव व संचालक अटारी, डॉ. अनुपम मिश्रा ने किया एवं काफी सराहा। माननीय मंत्री ने बैतूल जिले में आदिवासियों द्वारा खाने में उपयोग की जा रही शेम दाल के महत्व पर जोर दिया एवं इसकी मूल्य संबर्धन के बारे में उपस्थित वैज्ञानिकों से चर्चा की। प्रदर्शनी में संचालक विस्तार सेवाओं, ज.ने.कृ.वि.वि. से डॉ. संजय वैशमपायन भी उपस्थित थे।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

### विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस :

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर द्वारा दिनांक 5 दिसंबर 2017 को विश्व मृदा स्वास्थय दिवस केन्द्र प्रमुख, डॉ वीणा पाणी श्रीवास्तव की निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष, श्रीमती सुधा यादव एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष, श्री नीरज दीक्षित द्वारा मां सरस्वती पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक डॉ. बी.पी. सूत्रकार, किसान संघ के जिला अध्यक्ष के.पी. सिंह, प्रगतिशील कृषक डॉ इन्द्रपाल सिंह यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कृषक संगोष्ठी आयोजित की गई जिससे कृषकों को कृषि के आधुनिक तरीके से खेती के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित 289 कृषकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही एवं 225 कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये।

### सहजन का पोषण में महत्व पर प्रशिक्षण संपन्न :

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर में केन्द्र प्रमुख डॉ. वीणा पाणी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक दिवसीय दिनांक 13 दिसंबर, 2017 को सहजन का पोषण में महत्व पर कार्यशाला न्यूट्री स्मार्ट ग्राम के अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से संपन्न हुई। कार्यक्रम के विशिश्ठ अतिथि माननीय कलेक्टर श्री रमेंश भंडारी महोदय थे। कार्यशाला के अंतर्गत मुख्य अतिथि एवं केन्द्र प्रमुख ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि सहजन के माध्यम से किस प्रकार कुपोषण को दूर किया जा सकता हैं एवं वर्ष भर पोषण आहार कैसे प्राप्त होता है। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाडा

### अंतराष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस संपन्न :

कृषि विज्ञान केन्द्र, चन्दनगांव, छिंदवाड़ा के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन 5 दिसम्बर को ग्राम माल्हनवाड़ा में किया गया। कार्यक्रम का उद्‌देश्य कृषकों को मृदा स्वास्थ्य को सुधारने के साथ-साथ मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाने के संबंध में जानकारी देना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मान. विधायक एवं पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभानसिंह जी द्वारा की गई। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में सर्वप्रथम डॉ. एस.डी. सावरकर, प्रमुख वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, चंदनगांव, छिंदवाड़ा ने मृदा स्वास्थ्य बनाने के लिऐ संतुलित खाद का प्रयोग करने तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाने के संबंध में जानकारी दी। डॉ. आर.के. झाड़े, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, चंदनगांव, छिंदवाड़ा द्वारा मृदा की दशा को सुधारते हुऐ गुणवत्तायुक्त उद्यानिकी फसलोत्पादन पर चर्चा की गई।

### कृषि विज्ञान केन्द्र में कृषकों का भ्रमण :

कृषि विज्ञान केन्द्र छिंदवाडा में कृषक महिलाओं एवं कृषकों ने भ्रमण किया एवं केन्द्र विभिन्न इकाईयों का अवलोकन किया ।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

### शहद प्रसंस्करण इकाई का शुभारम्भ :

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से वित्त पोषित शहद प्रसंस्करण एवं पेकेजिंग इकाई का प्रारम्भ जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह में शहद का प्रसंस्करण प्रारंभ किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के. श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष केंद्र में शहद प्रसंस्करण इकाई को स्थापित किया गया था, परंतु शहद प्रसंस्करण इकाई से प्राप्त शहद की गुणवत्ता अच्छी होने के साथ इसे लम्बे समय तक संरक्षित किया जा सकता है। जिससे बाजार में जहाँ कच्चा शहद मुशकिल से 60 रूपये से 90 रूपये प्रति किलो ग्राम बिक पाता था वहीं पर शहद प्रसंस्करण इकाई से प्राप्त शहद का बाजार में 250-300 रूपये प्रति किलो ग्राम बिक रहा है। केंद्र के वैज्ञानिक बी.एल. साहू एवं मनोज अहिरवार ने बताया कि दमोह जिले में मधुमक्खी पालन की व्यापक संभावना को देखते हुए तथा कृषकों की 2022 तक खेती से आय को दुगुनी करने में अहम कड़ी साबित होगा।

### महिला किसान दिवस का सफल आयोजन :

पोशण आर्दश ग्राम भैंसखार विकासखण्ड, जबेरा में 15 अक्टूबर 2017 को कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह द्वारा महिला किसान दिवस कार्यक्रम का अयोजन किया गया। जिसमें 50 से अधिक कृषक महिलाएं

सम्मिलित हुई। उपरोक्त कार्यक्रम में वैज्ञानिकों द्वारा कृषक महिलाओं को खेती की उन्नत तकनीकी के साथ-साथ पशुपालन, खाद्य प्रशंस्करण एवं पोषण वाटिका से होने वाले लाभ के बारे में अवगत कराया।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी

### अन्तर्राष्ट्रीय मृदा दिवस का आयोजन :

भारत सरकार कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी द्वारा 05 दिसम्बर 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें डिण्डोरी जिले के 07 विकास खण्डों से 700 किसानों ने अपनी उपस्थिति दी। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते एवं मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे एवं नगर परिषद अध्यक्ष पंकज तेकाम, समेत कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ एंव प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. हरीश दीक्षित, वैज्ञानिक स्टॉफ, किसान व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

### मशरूम उत्पादन पर प्रदर्शन :

केन्द्र प्रमुख डॉ. आर.सी. शर्मा की अगुवाई में ग्राम चारखेड़ा विकास खण्ड टिमरनी में 5 संसाधन विहीन कृषक महिलाओं हेतु मशरूम उत्पादन पर गृह वैज्ञानिक डॉ. संध्या मुरे द्वारा प्रदर्शन डाले गये। इसका उद्देश्य महिलाओं को कम समय एवं कम मूल्य पर अधिक उत्पादन प्राप्त करने की तकनीकी जानकारी प्रदान करना है। केन्द्र की गृह वैज्ञानिक डॉ जागृति बोरकर ने मशरूम उत्पादन हेतु भूसा तैयार करने एवं पॉलिथिन बैग भरने की विधि से परिचित कराया। वैज्ञानिक पुष्पा झारिया ने बताया कि इससे 1 रू खर्च कर 8 से 9 रू तक शुद्ध आय प्राप्त कर सकती हैं।

### पोषण स्मार्ट ग्राम में जैविक पोषण उद्यान पर प्रदर्शन :

जिले के चयनित पोषण स्मार्ट ग्राम ऑबगॉवखुर्द विकासखण्ड हरदा में केन्द्र प्रमुख डॉ आर.सी. शर्मा के मार्गदर्शन में गृह वैज्ञानिक सुश्री जागृति बोरकर द्वारा ग्राम की कृषक महिलाओं को अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन अंतर्गत पोषण उद्यान प्रदर्शन हेतु सब्जियों जैसे- लौकी, गिलकी, मटर, गाजर,

धनियॉ, मूली, पालक, मैथी, चुकन्दर के उन्नत बीज प्रदाय किये गये। साथ ही घर के पीछे एवं आस-पास के रिक्त एवं बेकार पडी भूमि में छोटी-छोटी क्यारियॉ बनाकर जैविक तरीके से किस तरह से सब्जियों एवं फलों को लगायें इसके बारे इस विस्तार से बताया। जिससे महिलाओं को परिवार हेतु संतुलित मात्रा में सब्जियों की प्राप्ति हो, एवं परिवार से कुपोषण की समाप्ति के साथ इनके क्रय पर अतिरिक्त व्यय न हो। केन्द्र की गृह वैज्ञानिक डॉ संध्या मुरे ने वाटिका में घर से एवं वाटिका से निकले व्यर्थ पदार्थो से जैविक खाद, वर्मी-कम्पोस्ट तथा नाडेप कम्पोस्ट तैयार करने की विस्तृत जानकारी दी।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

### पोषण ग्राम सिहोदा में ग्रामीण महिलाओं एवं नव युवतियों का स्वास्थ्य परीक्षण :

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर द्वारा अंगीकृत पोषण एवं सेटेलाईट ग्राम सिहोदा में 22 दिसम्बर, 2017 को ग्रामीण महिलाओं तथा नव युवतियों के उत्तम स्वास्थय हेतु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर द्वारा आयोजित किया गया जिसमें 50 लोगों का रक्त परीक्षण, हीमोग्लोबीन, मलेरिया का परीक्षण किया गया तथा डाक्टरों द्वारा महिलाओं के व्यक्तिगत स्वास्थय व स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर के वैज्ञानिक डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. डी.के. सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. नीता मिश्रा, आदि उपस्थित थे ।

### भावान्तर योजना की उपयोगिता पर कृषक संगोष्ठी :

भावान्तर योजना के माध्यम से किसानों को उनके उत्पाद का पूर्ण लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से माननीय कलेक्टर, जबलपुर श्री महेश चौधरी की अध्यक्षता में जिले के किसानों एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ लोगों में भावान्तर योजना के प्रति जागरूकता लाने

का प्रयास किया गया तथा इस योजना में आने वाली समस्या का समाधान भी किया गया ।

### नीति आयोग द्वारा कृषि केन्द्र का भ्रमण :

नीति आयोग भारत सरकार जबलपुर द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर को 'A' ग्रेड प्राप्त होने के उपरांत नीति आयोग की टीम श्री. एम.आर. प्रसाद संचालक राष्ट्रीय लेवर अर्थ शास्त्र एवं विकास संचालनालय, नई दिल्ली के मार्ग दर्शन में केन्द्र द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों का अवलोकन किया गया तथा सफल कृषक/कृषक महिलाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों का अवलोकन कर उनकी सराहना की ।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

### ''स्वच्छता ही सेवा है'' कार्यक्रम का आयोजन :

कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी द्वारा 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2017 तक वरिष्ठ वैज्ञानिक व केंद्र प्रमुख डॉ. ए.के. तोमर के मार्गदर्शन व केंद्र के वैज्ञानिकों डॉ. आर.के. मिश्रा, डॉ. पी.के. गुप्ता , डॉ. आर.पी. बेन व श्री जे.के. सोनी की उपस्थिति व सहयोग से 'स्वच्छता ही सेवा है' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत कटनी जिले के विभिन्न ग्रामों जैसे बंडा, ढुंढरी, मोहास, रीठी इत्यादि में कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वच्छता संबंधित जानकारी गोष्ठी, रैली व कार्यशला के माध्यम से दी साथ ही साथ दर्शनीय स्थल जैसे कि रुपनाथ

मंदिर व मोहास मंदिर एवं सामुदायिक भवन व एक्सीलेंस स्कूल में गंदगी साफ कर व झाडू लगाकर आम जनता को भी स्वच्छता की उपयोगिता की जानकारी दी।

### कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी में विश्व मृदा दिवस कार्यक्रम संपन्न :

कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी द्वारा दिनांक 05 दिसंबर 2017 को भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन की अपेक्षा अनुरुप विश्व मृदा दिवस, ग्राम बंडा (लखापतेरी) मनाया गया। उक्त कार्यक्रम डॉ. अजय सिंह तोमर के नेतृत्व में एवं श्रीमती ममता पटेल, अध्यक्ष जिला पंचायत के मुख्य आत्थिय में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मृदा परीक्षण की उपयोगिता व उर्वरकता बढ़ाने संबंधित तकनीकी जानकारी केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा दी गई। उक्त कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. शशि गौर, डॉ. आर.के. मिश्रा , डॉ. आर.पी. बेन , श्री जे.के. सोनी , श्री जे.बी. श्रीवास्तव व अन्य कृषि विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

### विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन :

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला दिनांक 5 दिसम्बर 2017 को माननीय सांसद श्रीमति सम्पतिया उईके की अध्यक्षता में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मृदा के गिरते भौतिक रासानिक एवं जैविक स्वास्थ्य को संरक्षित करने हेतु किसानों को जागरूक करना है,

केन्द्र के वैज्ञानिक विजय सिंह सूर्यवंशी, डॉ. विशाल मेश्राम द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य एवं मृदा परीक्षण के महत्व की जानकारी दी गई ।

### संकुल प्रदर्शन :

संकुल प्रदर्शन तिलहनी फसल राम तिल किस्म जे.एन.सी.-9 किस्म का प्रदर्शन विकासखंड निवास में 50 कृषकों के प्रक्षेत्र 30 हे. पर किये गये है। प्रक्षेत्र का भ्रमण एवं राम तिल के उन्नत उत्पादन के लिए प्रशिषण ग्राम

खुदरी पटपरा विकास खंड निवास में किया गया। संकुल प्रदर्शन दलहन फसल चना किस्म जाकी-9218 का प्रदर्शन मण्डला में ग्राम लिंगामाल, मुनु, कसोटा, फूलसागर, गाजीपुर, बनियातारा प्रक्षेत्र 30 हे. में 75 कृषकों को बीज वितरण किया गया जिससे किसानों को दलहनी फसल का उत्पादन बढ़ाया जा सके।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

### विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस 2017 कार्यक्रम सम्पन्न :

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर द्वारा भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुरुप दिनांक 05 दिसम्बर 2017 को 'विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस 2017' एक दिवसीय जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र में विधायक नरसिंहपुर श्री जालम सिंह पटैल की मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नरसिंहपुर विकासखण्ड के जनपद अध्यक्ष श्री धनीराम पटैल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने स्वस्थ जीवन के बारे में प्रकाश डालते हुए बताया कि मृदा में यदि फसल अवशेषों को पका कर डाले तो हमारी पैदावार लगातार बढ़ेगी साथ ही मिट्टी भुरभुरी बनी रहेगी। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ एस.आर. शर्मा ने जैविक कीटनाशकों का प्रयोग कर फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के नियंत्रण के बारे में बताया। सब्जियों, फलों व औषधिय फसलों में 5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से कल्चर का प्रयोग कर उत्पादन को बढ़ाने हेतु उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. रिचा सिंह ने कृषकों से परिचर्चा की।

### खण्ड स्तरीय कृषक संगोष्ठी सह तकनीकी प्रशिक्षण :

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर के वैज्ञानिकों ने मध्य प्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग जिला नरसिंहपुर द्वारा माननीय कृषि मंत्री मध्यप्रदेश शासन श्रीमान गौरी शंकर जी बिसेन के मुख्य अतिथ्य में नरसिंहपुर ब्लाक की खण्डस्तरीय संगोष्ठी में कृषकों को आगामी रबी

2017-18 की चना, गेहूं एवं गन्ना की नयी किस्मों को लगाने हेतु बताया एवं पौध संरक्षण की विधियों को बताया ।

माननीय मंत्री किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्रीमान गौरी शंकर जी बिसेन ने कृषकों को नयी तकनीकी को अपनाने हेतु मार्गदर्शन दिया, साथ ही साथ आव्हान किया कि कृषक बंधु प्रधानमंत्री फसल बीमा में पंजीयन करायें, मृदा का परीक्षण करायें व भावांतर योजना हेतु पंजीयन कराकर भावांतर योजना का लाभ मध्यप्रदेश शासन अंतर्गत प्राप्त करें व अपनी आय दोगुनी करने हेतु मूल्य संवर्धन के साथ-साथ नयी तकनीकी अपनाकर कृषि करें ।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

### 100 एकड़ क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन :

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत 100 एकड़ कलस्टर अग्रिम पंक्ति प्रर्दशन सरसों का कार्यक्रम 93 कृषकों के खेतो पर डॉ. बी.एस. किरार वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के दिशा निर्देशन में डॉ. आर.पी. सिंह वैज्ञानिक क्रियान्वित कर रहे हैं। जिसमें चयनित कृषकों को उन्नत बीज (आर. वी. एम. 2), एजोस्पायरलम, पी. एस. बी. स्यूडोमोनास लूरोसेंस एवं काटनाशक दवाए गयी। उन्नत किस्म आर.वी.एम. 2, अवधि-120 दिन, उपज 16-18 क्वि. प्रति हेक्टयर आदि विशेषताए है। के.वी.के. प्रर्दशन एवं प्रशिक्षण के माध्यम से जिले में प्रतिवर्ष लगातार सरसो का क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ रही है। सरसों का क्षेत्रफल 2011-012 में 7285 हे. और उत्पादकता 473 कि. ग्रा. प्रति हेक्टयर थी जो बढ़कर वर्ष 2016-17 में क्षेत्रफल 8500 हे. तथा उत्पादकता 947 कि. ग्रा. प्रति हेक्टयर हो गई है।

### 2000 मुनगे के पौधें वितरण एवं प्रशिक्षण मुनगा पोषक तत्वों का खजाना, दूर करेगा कुपोषण :

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा न्यूट्री स्मार्ट विलेज योजनान्तर्गत चयनित 5 ग्रामो (गढ़ीपडरिया, विश्रामगंज, करही, जसवंतपुरा, सुगराह) एवं अन्य

15 ग्रामों में मुनगा किस्म पी. के. एम. 1 के 2000 पौधे आदिवासी एवं गरीब कृषक परिवारों को वितरण किये गये साथ ही उन्हें मुनगा लगाने की तकनीक पर प्रशिक्षण भी दिया गया। मुनगा की पत्तियॉ और फलियॉ पौषक तत्वों का खजाना है। उसकी पत्तियों में 9.4 प्रतिशत तथा फलियों में 2.1 प्रतिशत प्रोटीन पाया जाता है तथा फलियो में ओलिक एसिड़ तथा पत्तियों में विटामिन ए, सी, रायवोलेविन एवं नियासिन की अधिकता पाई जाती है। इसलिये के.वी.के. द्वारा मुनगा का पौधा अधिक से अधिक आदिवासी एवं गरीब कृषको की बाडियॉ (गृह वाटिका) में लगाने लिए निशुल्क वितरण किये गये हैं।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

### सोयाबीन प्रसंस्करण विधि प्रदर्शन अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन :

सोयाबीन प्रसंस्करण विधि प्रदर्शन अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण (दिनांक 06 अक्टूबर 2017 व 07 अक्टूबर 2017) का आयोजन कृषि महाविद्यालय, रीवा में किया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थी के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी ब्लाक के परियोजना अधिकारी पर्यवेक्षक व कार्यकर्ता उपस्थित रहें। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सोयाबीन व उससे बनने वाले उत्पादों का उपयोग किया जाना ताकि कुपोषण को रीवा जिले से मुक्त किया जा सके। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाण्डे द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में प्रोफेसर ए.एस. चौहान एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.के. तिवारी भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम संचालक डॉ. सी.जे. सिंह जी रहे। प्रशिक्षणर्थियों द्वारा सोयाबीन प्रसंस्करण पद्धति सीखी गयी। सोयाबीन से दूध, दही, पनीर का निर्माण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. (श्रीमती) निर्मला सिंह, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. बृजेश कुमार तिवारी, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. श्रीमती किंजल्क सिंह, डॉ. ए.के. पटेल, डॉ. के.एस. बघेल डॉ. संजय सिंह श्री एम.के. मिश्रा एवं श्री ओम साकेत के द्वारा कार्यक्रम में भाग लिया गया।

### कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा का भ्रमण

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन ने दिनांक 23 दिसम्बर 2017 को अपने रीवा भ्रमण के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा द्वारा तकनीकी पार्क में संचालित विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों – मशरुम उत्पादन यूनिट, केंचुआ खाद उत्पादन इकाई, क्रॉप कैफेटेरिया, पॉली हाउस एवं प्रयोगशाला का गहन अवलोकन किया। उक्त अवसर पर संयुक्त संचालक विस्तार सेवायें डॉ. डी.पी. शर्मा भी उपस्थिति रहें। इस दौरान अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रीवा डॉ. एस.के. पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के. पाण्डेय एवं केन्द्र के अन्य वैज्ञानिकों द्वारा कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन के प्रथम बार कृषि महाविद्यालय, रीवा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा आगमन पर हार्दिक स्वागत किया गया। कुलपति प्रो. बिसेन ने कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए केन्द्र के वैज्ञानिकों को कृषकों की आय दोगुनी करने की दिशा में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सुझाव दिया।

### कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा में मशरूम उत्पादन इकाई स्थापित :

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा में प्रमुख डॉ. अजय कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक डॉ. के.एस. बघेल के द्वारा भूमिहीन ग्रामीणों तथा युवायों के स्वारोजगार कम लागत की उद्यमिता विकास के उद्देश्य से खुम्बी (मशरुम) उत्पादन इकाई स्थापित की गयी है। कृषकों को मशरुम उत्पादन तकनीकी के विषय में प्रशिक्षित किया जा रहा है। मशरूम प्रोटीन का एक उत्तम एवं सस्ता स्त्रोत है इससे न केवल किसान की अतिरिक्त आय होती है बल्कि उसे एक उत्तम पोशण आहार घर पर उपलब्ध हो जाता है साथ ही साथ यह ग्रामीण युवायों हेतु उत्तम स्वारोजगार सिद्ध हो सकता है।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन एवं रीवा जिले की कलेक्टर महोदया श्रीमती प्रीती मैथिल नायक

ने कृषि विज्ञान केन्द्र में मशरुम इकाई का भ्रमण कर इसे जिले में वृहद स्तर तक पहुंचाने पर बल दिया।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

### विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस :

भारत सरकार के निर्देशन में चलाये जा रहे स्वाइल हेल्थ कार्ड स्कीम के अंतर्गत दिनांक 5 दिसम्बर 2017 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन सांसद प्रतिनिधि श्री सधीर यादव जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। श्री यादव ने स्वाइल हेल्थ कार्ड के साथ-साथ केन्द्रपोषित योजनाओं तथा कैशलैश लेनदेन के बारे में विस्तृत जानकारी दी उन्होंने कृषकों से आवाहन किया कि कृषि विज्ञान केन्द्र आकर नई-नई तकनीकी जानकारी का लाभ लें। इस अवसर पर उन्होंने कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरित किए।

डॉ. आशीष त्रिपाठी, वैज्ञानिक (पौध संरक्षण) द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर द्वारा मृदा स्वास्थ्य पत्रक वितरण की जानकारी देने के साथ साथ ने जैविक आदानों का फसल उत्पादन में महत्व की जानकारी दी तथा कृषकों की कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान किया। डॉ. एम.पी. दुबे प्रमुख वैज्ञानिक, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, सागर द्वारा कृषकों को फसलों की समसामायिक जानकारी दी गई। डॉ. श्वेता यादव प्राध्यापक डॉ. हरिसिंह गौर विष्वविद्यालय, सागर द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन व उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में मानव विकास संस्थान के संचालन फादर थोमस फिलिप, आकाशवाणी, सागर के कार्यक्रम अधिकारी श्री आलोक राय ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ. विनीता सिंह, डॉ. ममता सिंह, डॉ. विवेकिन पचौरी ने कृषकों को प्रदर्शनी के माध्यम से उन्नत तकनीकी से अवगत कराया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रदर्शन इकाईयों का भ्रमण कराया। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आशीष त्रिपाठी द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में पधारें जनप्रतिनिधियों, समस्त विभागीय अधिकारियों एवं कृषकों का आभार प्रदर्शन डॉ. वैशाली शर्मा द्वारा किया गया।

### फसल बीमा पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन :

उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विभाग द्वारा मा.प.वा. योजनार्न्तगत आयोजित दिनांक 27 दिसम्बर 2017 को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, सागर में फसल बीमा पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि माननीय कलेक्टर सागर श्री ऐ.के. सिंह ने फसल बीमा का लाभ अधिक से अधिक कृषकों को दिए जाने की

बात कही तथा बीमा संबंधी किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के निदेश दिए। डॉ. के.एस. यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर द्वारा उपस्थित लोगों को उद्यानिकी फसलों में समसामयिक कार्य व पाला से बचाव की जानकारी दी। कार्यषाला में जिले के 200 से अधिक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, बीमा व बैंक के लोगों ने भाग लिया।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

### रावे छात्राओं के गाँव का भ्रमण :

दिनाँक 6 नवम्बर 2017 को कृषि महाविद्यालय जबलपुर से आयी रावे छात्राओं को कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी द्वारा चयनित ग्रामों का भ्रमण डॉ. नलिन खरे, विभागाध्यक्ष, विस्तार एवं कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख तथा वैज्ञानिकों द्वारा भ्रमण किया गया एवं रावे छात्राओं का ग्रामीण विकास में योगदान एवं भूमिका पर चर्चा की गई रावे छात्राओं ने कृषकों के प्रक्षेत्र पर एवं गाँव में कृषि तकनीकी का आदान-प्रदान दिनाँक 24 जून 2017 से 23 नवम्बर 2017 तक किया गया। डॉ. नलिन खरे द्वारा सभी छात्राओं से चर्चा की एवं विगत दिनों में किये गये कार्य का अवलोकन किया गया।

### महिला कृषक दिवस :

कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी द्वारा महिला कृषक दिवस कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी के सभागार में मनाया गया। इसके अंतर्गत महिला बाल विकास की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं कृषि महाविद्यालय, जबलपुर की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत वाद-विवाद स्पर्धा, कृषि में महिलाओं का योगदान पर निबंध प्रतियोगिता कुपोषण को कम करने के लिए कम लागत में पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसमें सम्मिलित प्रतिभागियों को वरिष्ठ व प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला योग अधिकारी भवानी प्रसाद गहलोद, महिला बाल विकास सिवनी की

परियोजना अधिकारी, खाद्य एवं पोषण वैज्ञानिक डॉ. डी. सी. श्रीवास्तव, डॉ. के.के. देशमुख एवं डॉ. एन. के. सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष शेंडे वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

### मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन :

कृषि विज्ञान केन्द्र व महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से मध्यप्रदेश स्थापना दिवस दिनांक 2 नवम्बर 2017 महिला समिति शहडोल में मनाया गया एवं पोषक आहार के बारे में जानकारी दी गई, कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक प्रमिला सिंह एवं विशिष्ठ अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष उर्मिला कटारे उपस्थित रहे।

### जय जवान जय किसान दिवस का आयोजन :

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल द्वारा दिनांक 27 दिसम्बर 2017 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरा में जय जवान जय किसान दिवस मनाया गया, वैज्ञानिक द्वारा किसानों एवं छात्र-छात्राओं को हरित क्रांति एवं कृषि के नए आयामों के लिए श्री चौधरी चरण सिंह व श्री अटल बिहारी बाजपेयी के कृषि में योगदान की जानकारी दी गई।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

### विश्व खाद्य दिवस :

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी में 16 अक्टूबर 2017 को विश्व खाद्य दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री महेन्द्र सिंह बघेल एवं वैज्ञानिक डा. अलका सिंह एवं डा. धनंजय सिंह तथा सीधी जिले के 40 किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा समन्वित खेती पोषक तत्व प्रबंधन एवं मनुष्य के स्वास्थ्य का कैसे ध्यान रखा जाय इत्यादि बातों पर चर्चा की गयी।

### कृषि शिक्षा दिवस :

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी में 03 दिसम्बर 2017 को कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में लेख, चित्रकला एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें संजय गाँधी स्मृति स्वशासी महाविद्यालय, कन्या महाविद्यालय, सीधी की छात्रायें एवं उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र एवं छात्राओ ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में उक्त प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त अभ्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

### स्वच्छता ही सेवा :

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़ के द्वारा दिनांक 15 सितम्बर 2017 से 02 अक्टूबर 2017 तक जिले के विभिन्न ग्रामों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें ग्राम वासियों को स्वच्छता हेतु जागरूक किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एच.एस. राय, कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर.के. प्रजापति, डॉ. एस.के. खरे, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. आई.डी. सिंह, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता डॉ. संत कुमार शर्मा एवं 40 कृषक व कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़ के छात्र, छात्रायें उपस्थित रहे ।

### महिला किसान दिवस कार्यक्रम :

दिनांक 15 अक्टूबर 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में महिला किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक, टीकमगढ़ श्री के.के. श्रीवास्तव और अध्यक्षता श्री संजय श्रीवास्तव, उप -संचालक कृषि तथा कार्यक्रम की तकनीकी रूप से जानकारी डॉ. एच.एस. राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा की गई। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आर.के. प्रजापति, डॉ. संदीप खरे, डॉ. यू.एस. धाकड़ और डॉ. एस.के. सिंह उपस्थित होकर महिला किसानों को कृषि में उनके लिए तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में जिले की 60 महिला किसानों ने भाग लिया, कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.के. खरे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. एस.के. सिंह ने किया ।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

### सघनता पद्धति से 4-7 गुना उपज में वृद्धि संभव :

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया द्वारा घुलघुली कलस्टर के ग्राम गहिरा टोला में कृषक श्री जमुना सिंह राठौर के खेत में सघनता पद्धति से बोई अरहर फसल-कटाई माननीय उमरिया कलेक्टर श्री माल सिंह महोदय के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय समिति डॉ. के.पी. तिवारी वरिष्ठ वैज्ञानिक, श्री के.व्ही. सहारे वैज्ञानिक, पवन कौरव सहायक संचालक कृषि क्षेत्रीय पटवारी श्रीमति राधा सिंह एवं आर.ए.ई.ओ. श्री द्विवेदी एवं क्षेत्र के अन्य कृषकों के समक्ष 13 दिसम्बर 2017 सघनता पद्धति से बोई अरहर फसल की कटाई की गई प्रतिकूल मौसम वर्षा आधारित प्रक्षेत्र में उपज 35.60 क्वि./हे. एवं ड्रिप सिचाई के साथ (अरहर: अदरक अन्तवर्तीय फसल) 45.26 क्वि./हे. प्राप्त हुई साथ ही अदरक की उत्पादकता 63 क्विं/हे. प्राप्त हुई। जबकि जिले में अरहर की सामान्य औसत उत्पादकता 5 क्वि./हे. है, अत: सघनता पद्धति में कृषक 4-7 गुना उपज में वृद्धि कर सकते है। उक्त भ्रमण कार्यक्रम को

डी.डी. दूरदर्शन मध्यप्रदेश पर 14 दिसम्बर 2017 को प्रसारित किया गया।

### विश्व मृदा दिवस स्वास्थ्य कार्यक्रम संमन्न :

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया में 5 दिसम्बर 2017 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उमरिया के सदस्य श्री मिथलेश प्यासी ने की तथा अपने उद्बोधन में उपस्थित कृषको को सरकार की योजनाओं को आगे बढ़कर हिस्सा लेने के लिए कहा तथा मृदा आधारित कार्ड पर अंकित फसलानुसार उर्वरक उपयोग करने की बात कही कार्यक्रम में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के.पी. तिवारी ने वर्ष

2022 तक कृषको की आय दुगुनी करने के लिए प्रमुख बिंदुओ पर विस्तृत चर्चा की मंच संचालन करते हुये कृषि वैज्ञानिक श्री के.व्ही. सहारे ने केंद्र द्वारा लगाई गई कृषि आधारित जीवित प्रदर्शनी जैसे मधुमक्खी पालन इकाई, मशरूम उत्पादन, एजोला उत्पादन, बकरी (जमुनापरी) पालन, कडकनाथ मुर्गी पालन एवं केंचुआ उत्पादन इकाई के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में ग्राम पथरहटा, भरौला, घुलघुली, हर्राडांड, लदेरा, अमहा, ताली, डबरौहा एवं कछरवार ग्राम के लगभग 350 कृषक सम्मिलित हुये। कार्यक्रम में केन्द्र के अन्य वैज्ञानिक डॉ. आर.आर. सिंह, श्री विवेक वाल्के एवं कार्यक्रम सहायक श्री अरूण रजक ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने मे अपना सहयोग प्रदान किया।

## कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

### आयस्टर मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण :

नव निर्मित कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली द्वारा जिले में विभिन्न सब्जीवर्गीय फसलों में रोग एवं कीट संक्रमण विषयक निंदानात्मक

सर्वेक्षण, 22 ग्रामों में किया गया एवं कृषकों को प्रबंधन हेतु सलाह दी गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली के वैज्ञानिकों द्वारा पौध संरक्षण एवं पशुपालन विषयक 8 कृषक एवं महिला कृषक प्रशिक्षण कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र, सिंगरौली तथा शासन परियोजना, सिंगरौली के संयुक्त तत्वाधान में सम्पादित कर 178 कृषक एवं महिला कृषकों को प्रशिक्षित किया गया। ग्रामीण युवकों को आयस्टर मशरूम उत्पादन में प्रशिक्षित कर उत्पादन हेतु प्रोत्साहित किया गया। प्रशिक्षण उपरान्त 2 कृषकों द्वारा मशरूम उत्पादन प्रारम्भ कर दिया गया ।

**विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस पर कार्यक्रम :**

दिनांक 5 दिसम्बर, 2017 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य, कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र, सिंगरौली में किया गया जिसमें जिले के 103 कृषक एवं महिला कृषकों के साथ 11 विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों की समभागिता रही ।

**अवार्ड :**

दिनांक 14-15 दिसम्बर 2017 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग एवं इण्डियन फाइटोपैथोलाजिकल, सोसाइटी, भा.कृ. अनुसंधान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विषय चैलेन्ज एण्ड अपारच्युनिटी: मैनेजमेंट आफप्लांट डिसीज अण्डर वेदर चेन्ज में कृषि विज्ञान केन्द्रों के पांच वैज्ञानिकों डॉ. जय सिंह, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. ओ.पी. भारती, डॉ. आर.के. जायसवाल को पुरस्कृत किया गया।

डॉ. सिद्धार्थ नायक, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

डॉ. जय सिंह, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

**बुक-पोस्ट**
**मुदित सामग्री**


प्रेषक :

**संचालनालय विस्तार सेवायें**

**जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय**

**अधारताल, जबलपुर ( म.प्र. ) 482004, भारत**

Tele-Fax: 0761-2681710
E-mail: desjnau@rediffmail.com
www.jnkvv.org


प्रति, _____

_____

_____